संचय
SANCHAYA

रा ब सं
जनसेवा में 50 वर्षों से अधिक
NSI
Over 50 Years in Service of People

मासिक प्रकाशन | Monthly Publication

दिसम्बर 2006 (अंक 164) | December 2006 (Issue 164)

श्रीमती एल.एम. वास, आई.ए.एस., संयुक्त सचिव (बजट), भारत सरकार, वित्त मंत्रालय 11–12 दिसम्बर 2006 के दरम्यान दिल्ली में राष्ट्रीय बचत संस्थान द्वारा डब्ल्यू.एस.बी.आई. एवं एफ.एन.सी.ई. के सहयोग से ''वित्त तक पहुँच'' विषय पर आयोजित सेमिनार का परंपरागत दीप–प्रज्वलित कर उद्घाटन करती हुई। साथ ही (बायें से दायें) मि. क्रिस डी नूज अध्यक्ष विश्व बचत बैंक संस्थान, प्रबंधन समिति, श्री. एस.के. त्रिपाठी उपराष्ट्रीय बचत आयुक्त, श्रीमती अनुराधा प्रसाद निदेशक (बजट) और श्री अनिल भट्टाचार्य, निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान, भारत।

राष्ट्रीय बचत संस्थान ने विश्व बचत बैंक संस्थान एवं एफ.एन.सी.ई. के सहयोग से सेमिनार का आयोजन किया।

राष्ट्रीय बचत संस्थान, भारत सरकार ने विश्व बचत बैंक संस्थान एवं एफ.एन.सी.ई. के सहयोग से नई दिल्ली में 11–12 दिसम्बर 2006 के दरम्यान ''वित्त तक पहुँच'' विषय पर एक अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। इस सेमिनार को आयोजित करने का उद्देश्य था वित्त तक पहुँचने में बचत बैंक की भूमिका की जानकारी होना एवं सदस्य देशों के बीच आर्थिक वृद्धि के लिए योगदान देना एवं आर्थिक क्रियाकलापों हेतु सम्मिलित प्रयास होना।

श्रीमती एल.एम. वास, आई.ए.एस., संयुक्त सचिव (बजट), भारत सरकार ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि हम लोगों के लिए बड़ी चुनौती है कि उन लोगों तक वित्तीय सेवाएँ पहुचाएँ जिनकी पहुँच बैंक तक नहीं है और सदस्य देशों से अपील कि आर्थिक गतिविधियों का सामग्रीकरण आवश्यक है जिससे की आर्थिक विकास में उनका अंशदान प्राप्त हो सके।

मि. क्रिस डी. न्यूज,अध्यक्ष, विश्व बचत बैंक संस्थान प्रबंधन समिति ने अपने सम्बोधन में आशा व्यक्त कि यह सेमिनार कार्यरत विभिन्न वित्तीय संस्थाओं की जो विश्वस्तर पर माइक्रो फायनान्स से जुड़े है, एक स्पष्ट दृष्टिकोण प्रदान करेगा और आपसी सहयोग और विचार विमर्श के लिए एक मंच भी प्रदान करेगा।

अपने स्वागत भाषण में श्री अनिल भट्टाचार्या, निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान, भारत ने इस प्रकार के अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। इसमें एशिया एवं अफ्रीकी देशों जैसे श्रीलंका, तन्जानियाँ, उगान्डा, थाईलैंड, कोरिया एवं डाक विभाग, भारतीय स्टेट बैंक और राष्ट्रीय बचत संस्थान, भारत के कुल 52 प्रतिनिधि सेमिनार में उपस्थित थे।

राष्ट्रीय बचत संस्थान
NATIONAL SAVINGS INSTITUTE
http://nsiindia.gov.in.
राष्ट्रीय बचत संस्थान, सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, सेमिनरी हिल्स, नागपुर National Savings Institute, CGO Complex, Seminary Hills, Nagpur

मि. क्रिस डी. नूज, अध्यक्ष, प्रबंधन समिति, विश्व बचत बैंक संस्थान, राष्ट्रीय बचत संस्थान, भारत सरकार द्वारा डब्ल्यू. एस. बी. आई. एवं एफ.एन.सी.ई. के सहयोग से ''वित्त तक पहुँच'' विषय पर आयोजित सेमिनार के उद्घाटन अवसर पर प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए। साथ ही (बायें से दायें) श्रीमती एल.एम. वास आई.ए.एस. संयुक्त सचिव (बजट), श्रीमती अनुराधा प्रसाद, निदेशक (बजट) एवं श्री अनिल भट्टाचार्या निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान, भारत।

''वित्त तक पहुँच'' का महत्व

विकासशील देशों में आर्थिक वृद्धि के लिए ''वित्त तक पहुँच'' एक आवश्यक साधन है। यह विकसित देशों के लिए भी महत्वपूर्ण है। यह लोगों को अधिकार प्रदान करता है, बचत और निवेश करने का अवसर प्रदान करता है व गरीबी उन्मूलन में सहायक होता है।

विश्व बचत बैंक संस्थान द्वारा '' वित्त तक पहुँच'' के बारे में अध्ययन का सबसे बड़ा निष्कर्ष यह है कि विकासशील देशों के गरीबों तक पहुँचने का प्रतिशत और विकसित देशों के लोगों तक पहुँचने का प्रतिशत एक समान है। एक दूसरा बड़ा निष्कर्ष यह निकला कि पूरे विश्व में बचत बैंक ही अधिकतम लोगों को वित्तीय सेवाएँ प्रदान करती है। इस निष्कर्ष से यह पता लगता है कि स्थानीय बैंकिंग ढ़ाँचा को बनाने एवं इसे मजबूती प्रदान करने में बचत बैंक की बड़ी जिम्मेदारी इस प्रकार है :-

(1) वितरण नेटवर्क तक पहुँच एवं इसका निर्वहन करना।
(2) स्थानीय माइक्रो फायनान्स एवं विकासशील संस्थानों को वितरण नेटवर्क पूरा करने में सहयोग देना।
(3) वित्तीय साक्षरता प्रयासों के साथ पूर्ण पारदर्शिता के साथ कम कीमत, कम जोखिम वाले, पहुँचने लायक, उत्पादों की पूर्ति लगातार होते रहना।
(4) पहुँच का क्षेत्र बढ़ाने में प्राप्त नतीजों के आंकडे तैयार करना।

मिस क्लेरी पेरिओट मथोना, प्रशिक्षण विभाग प्रमुख, एफ.एन.सी.ई., एन.एस.आई. भारत सरकार द्वारा डब्ल्यू.एस.बी.आई. एवं एफ.एन.सी.ई. के सहयोग से ''वित्त तक पहुँच'' विषय पर दिल्ली में आयोजित सेमिनार में प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए।

सेमिनार के प्लेनरी सेशन के दरम्यान (बायें से दायें) मिस लौरी डुफेज, उप निदेशक, डब्ल्यू.एस.बी.आई., मिस क्लेरी पेरिओट मैथोना, प्रशिक्षण विभाग प्रमुख, एफ.एन.सी.ई., मि. क्रिस डी नूज, अध्यक्ष, प्रबंधन समिति, डब्ल्यू.एस.बी.आई., श्रीमती एल.एम. वास, आई.ए.एस. संयुक्त सचिव (बजट), श्रीमती अनुराधा प्रसाद, निदेशक (बजट) एवं श्री अनिल भट्टाचार्या, निदेशक, एन.एस.आई. भारत.

विश्व बचत बैंक संस्थान द्वारा नए वित्तीय उत्पादों के सृजन के लिये सामूहिक अभ्यास का आयोजन

मिस लौरी डुफेज, उप निदेशक, विश्व बचत बैंक संस्थान द्वारा सेमिनार में लक्ष्य समूह को ध्यान में रखते हुए नए वित्तीय उत्पादों के सृजन के लिए सामूहिक अभ्यास करवाया गया। इस सामूहिक अभ्यास का उद्देश्य था देहातों एवं शहरों में रहनेवाले युवाओं के लिए वित्तीय उत्पादों का सृजन एवं उत्पाद का मुख्य आकर्षण प्रस्तुत करना। सेमिनार में भाग ले रहे सहभागियों के बीच छः समूह बनाए गए। विषय इस प्रकार थे – शहरी क्षेत्र में रहनेवाले लोगों के लिए वित्तीय उत्पादों पर निश्चित ब्याज दर एवं उसी क्षेत्र में रहनेवाले लोगों के लिए उत्पादों पर अनिश्चित ब्याज दर, ग्रामीण क्षेत्रों में रहनेवाले लोगों के लिए निश्चित एवं अनिश्चित दोनों प्रकार के ब्याज दर वित्तीय उत्पाद, निश्चित एवं अनिश्चित दोनों प्रकार के ब्याज दर वित्तीय उत्पादों पर शहरों एवं गाँवों में रहनेवाले नई पीढ़ी के युवाओं के लिए।

उपरोक्त विषयों पर सहभागियों के बीच विस्तारपूर्वक चर्चा समूह लीडरों द्वारा नए वित्तीय उत्पादों के सृजन के सम्बन्ध में अन्तिम सहमती प्रस्तुत की गई। समूह लीडरों द्वारा जो प्रस्तुतीकरण किया गया उसमें रकम जमा करने की सीमा, अवधि, उत्पादों के लिए तरलता, एवं अन्य विशेष सुविधाएँ जैसे – बीमा की सुविधा, इंटरनेट बैंकिंग, ए.टी.एम., अन्य ई–बैंकिंग सेवाएँ लक्ष्य समूह के लिए उत्पाद उन्नति नीति इत्यादि शामिल था जिसकी बहुत प्रशंसा की गई।

11–12 दिसम्बर 2006 को नई दिल्ली में ''वित्त तक पहुँच'' विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग ले रहे सहभागी।

अप्रैल से सितम्बर 2006 तक अल्प बचत संग्रहण

(करोड रुपये)

क्र. सं.	क्षेत्र / राज्य	सकल	शुद्ध	सकल	शुद्ध
		सितम्बर 2005 तक		सितम्बर 2006 तक	
1.	आंध्र प्रदेश	5157.55	2214.56	4792.54	1540.19
2.	अरूणाचल प्रदेश	34.76	16.57	35.87	14.80
3.	असम	1071.67	87.97	745.68	-281.37
4.	अंदमान निकोबार द्वीप	15.52	7.45	10.00	5.02
5.	आर्मी पोस्ट ऑफीसेस	157.72	44.12	127.33	0.78
6.	बिहार	3047.81	1168.41	2566.41	934.36
7.	झारखंड	1476.36	701.41	1283.76	607.37
8.	चंडीगढ	289.80	53.20	204.43	-18.24
9.	दमण एवं दीव	19.61	8.49	168.90	72.66
10.	दिल्ली	3810.60	1747.66	3380.75	1144.24
11.	गोवा	396.23	273.30	323.52	205.92
12.	गुजरात	8318.93	3546.63	6880.88	2193.11
13.	हरियाणा	2567.76	780.45	2387.26	534.77
14.	हिमाचल प्रदेश	1211.48	398.42	1146.33	334.52
15.	जम्मू व कश्मीर	802.87	279.09	727.36	209.74
16.	कर्नाटक	3998.52	1668.01	3443.31	826.21
17.	केरल	2936.21	1236.38	2421.21	727.36
18.	लक्षद्वीप	0.70	0.32	1.24	0.88
19.	मध्य प्रदेश	2638.31	1041.03	2218.71	754.25
20.	छत्तीसगढ	820.14	393.56	725.71	285.49
21.	महाराष्ट्र	9917.98	4650.93	7990.37	2554.09
22.	मणिपुर	39.70	8.79	36.84	5.62
23.	मेघालय	83.67	23.43	69.98	1.64
24.	मिझोरम	50.84	15.21	37.33	3.19
25.	नागालैंड	21.00	8.63	19.51	7.37
26.	उडीसा	1475.63	612.42	1305.75	460.34
27.	पांडीचेरी	55.46	18.09	55.19	3.70
28.	पंजाब	4634.67	1329.51	4313.95	932.07
29.	राजस्थान	4163.88	1484.56	3410.67	628.55
30.	सिक्कीम	37.54	8.99	20.30	1.31
31.	तमिलनाडू	5682.58	2588.27	4884.39	1563.88
32.	त्रिपूरा	228.20	93.84	189.06	66.39
33.	उत्तर प्रदेश	8585.86	3108.96	7345.99	2315.67
34.	उत्तरांचल	1136.66	436.93	1043.57	327.43
35.	पश्चिम बंगाल	10805.80	4924.58	8581.07	3498.44
	कुल	**85692.01**	**34980.15**	**72895.17**	**22461.76**

टिप्पणी : डाक विभाग नई दिल्ली से प्राप्त प्रारंभिक आंकडे सामन्जस्य अधीन है । इन आंकडों में पी.पी.एफ. एवं एस सी एस एस (बैंक) संग्रह शामिल नहीं हैं ।

SHIVRAJ (D.G.P.S.) NAGPUR